



**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**

EXTRAORDINARY

भाग 11—खण्ड 2—उप-खण्ड (ii)

**PART II—Section 3 Sub-section (ii)**

प्रार्थना र स प्रकाशना

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 487 | नई दिल्ली, २, नवम्बर, १९८२/कानिक १, १९०४

No. 487] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 23 1982/KARTIKA 1, 1904

इस भाग में भिन्न दृष्ट संज्ञा दी जाती है कि यह अलग संकलन के रूप में  
 ५१ अंक

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate**  
**COMBINATION**

१२. १३. लिख

(श्रुतिप्रमाणक वक्तृत्व विभाग)

अ.६३

नई दिल्ली 22 अक्टूबर 1982

कां०आ० 760(अ) —कन्दार स्मृति, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951  
 (1951 का 65) का धारा 6 द्वारा पञ्जाब राज्य के पटवत के विनिर्माण या  
 उत्पादन में लगे अन्तर्लक्षित उद्योगों की नियमितता को सुनिश्चित करने के लिए जो समय-समय पर यथा  
 मर्यादित भारत के राजपत्र क्रमांक 1080, भाग II, खण्ड III, प्रविष्टि 1 अक्टूबर, 1980 में  
 प्रकाशित भारत सरकार के उद्योग संहिता (इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट एक्ट्स) क आदेश संकां०आ०  
 829(अ) तारीख 1 अक्टूबर, 1980 के अधीन निम्नलिखित प्रावधानों पर आधारित है। अक्टूबर, 1982  
 में 31 जनवरी, 1983 तक चार मास की अवधि की समाप्ति हुई।

॥ ११०० ८११०८८०-समन्वय अनुभाग ॥

५ ग०के० भार्गव, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
**(Department of Industrial Development)**

**ORDER**

New Delhi the 22nd October, 1982

**S.O. 760(E)**—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the tenure of members of the Development Council for the scheduled industry engaged in the manufacture or production of jute; appointed vide Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No S.O. 829(E), dated the 1st October, 1980, published in Part II—Section 3-Sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary, dated the 1st October, 1980, as amended from time to time for a period of four months from the 1st October, 1982 to 31st January, 1983.

[File No. 8(10)/80-CDN]  
R. K. BHARGAVA, Jt. Secy.